



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 28 दिसंबर, 2021

अंतरराष्ट्रीय महामारी तत्परता दविस

27 दिसंबर को विश्व भर में 'अंतरराष्ट्रीय महामारी तत्परता दविस' का आयोजन किया गया। इस दविस का आयोजन पहली बार वर्ष 2020 में किया गया था, जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने महामारी के वरिद्ध तैयारियों, इसकी रोकथाम और साझेदारी के महत्त्व की वकालत करने की आवश्यकता पर जोर दिया था। **संयुक्त राष्ट्र** के अनुसार, वभिनिन महामारियों के प्रबंधन से सबक लेना और महामारी की रोकथाम के लिये मज़बूत उपाय को लागू करना काफी महत्त्वपूर्ण है ताकि भविष्य में किसी भी प्रतिकूल स्थिति में सबसे उपयुक्त प्रतिक्रिया दी जा सके। यह दविस प्रत्येक अंतरराष्ट्रीय संगठन और प्रत्येक समुदाय एवं व्यक्तिके बीच एकजुटता तथा साझेदारी के महत्त्व को भी रेखांकित करता है, ताकि कोविड-19 जैसी महामारी का मुकाबला आसानी से किया जा सके। **वशिव स्वास्थ्य संगठन** के मुताबकि, मौजूदा समय में यह आवश्यक है कि ऐसी प्रणालियों में निवेश किया जाए, जो महामारी जैसे प्रकोपों का पता लगाने, उन्हें रोकने और तत्काल प्रतिक्रिया देने में मदद कर सकती हैं, जिनमें स्वास्थ्य प्रणालियों, आपूर्ति शृंखलाओं और विशेष रूप से सबसे गरीब देशों की आजीविका को बाधित करने की क्षमता है।

सुशासन दविस

पूर्व प्रधानमंत्री अटल बहारी वाजपेयी की जयंती के अवसर पर प्रत्येक 25 दिसंबर को सुशासन दविस का आयोजन किया जाता है। इस दविस के आयोजन का उद्देश्य भारत के नागरिकों के मध्य सरकार की जवाबदेही के प्रतीक जागरूकता पैदा करना है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री **अटल बहारी वाजपेयी** का जन्म 25 दिसंबर, 1924 को मध्य प्रदेश के ग्वालियर में हुआ था। अटल बहारी वाजपेयी अपने छात्र जीवन के दौरान सर्वप्रथम राष्ट्रवादी राजनीति में तब सामने आए जब उन्होंने वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में हिस्सा लिया। कॉलेज के दिनों में ही उनकी रुचि विदेशी मामलों में काफी अधिक रही, यही कारण है कि बाद में उन्होंने वभिनिन बहुपक्षीय और द्विपक्षीय मंचों पर भारत का प्रतिनिधित्व कर अपने कौशल का परिचय दिया। वाजपेयी जी को प्रधानमंत्री के तौर पर कुल 3 कार्यकाल मिले, वर्ष 1996 में उनका पहला कार्यकाल केवल 13 दिनों तक चला, जिसके बाद वर्ष 1998 से वर्ष 1999 तक वह 13 महीने के लिये प्रधानमंत्री पद पर रहे और अंत में वर्ष 1999 से वर्ष 2004 तक उन्होंने सफलतापूर्वक अपना पाँच वर्षीय कार्यकाल पूरा किया। 16 अगस्त, 2018 को 93 वर्ष की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई।

हरभजन सहि

भारतीय ऑफ स्पिनर 'हरभजन सहि' ने हाल ही में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की है। पंजाब के 41 वर्षीय क्रिकेटर हरभजन सहि ने अपने शानदार क्रिकेट कैरियर में 103 टेस्ट में 417 विकेट, 236 एक दिवसीय मैचों में 269 विकेट और 28 टी20 मैचों में 25 विकेट लिये हैं। 'इंडियन प्रीमियर लीग' (IPL) में मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपर किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के लिये 13 सीज़न के 163 मैचों में 150 विकेट लिये हैं। वर्ष 1998 में शारजाह (संयुक्त अरब अमीरात) में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ एक दिवसीय मैच के दौरान अपने अंतरराष्ट्रीय कैरियर की शुरुआत करने वाले हरभजन ने आखिरी बार मार्च, 2016 में ढाका में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ एक टी20 के दौरान देश के लिये खेला था। हरभजन वर्ष 2007 टी20 विश्व कप और वर्ष 2011 वनडे विश्व कप विजिता टीम का भी हिस्सा रहे हैं।

बेलजियम वर्ष 2025 तक सभी परमाणु संयंत्रों को बंद करेगा

बेलजियम सरकार ने हाल ही में आगामी तीन वर्षों (वर्ष 2025 तक) में देश के सभी **परमाणु ऊर्जा** संयंत्रों को बंद करने की घोषणा की है। ऊर्जा संयंत्रों को बंद करने की यह प्रक्रिया वर्ष 2022 में शुरू की जाएगी। बेलजियम के परमाणु बेड़े में सात दबावयुक्त जल रिएक्टर शामिल हैं। बेलजियम में वर्ष 2003 में एक कानून पारित किया गया, जिसके माध्यम से बेलजियम के सभी रिएक्टरों की परिचालन अवधि को 40 वर्षों तक सीमित कर दिया गया और नए रिएक्टर निर्माण को भी प्रतिबंधित कर दिया गया। ज्ञात हो कि जर्मनी ने भी वर्ष 2022 के अंत तक अपने सभी परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को बंद करने की घोषणा की है। यह निर्णय जापान की 'फुकुशिमा परमाणु आपदा' के बाद लिया गया था।

